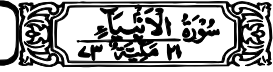
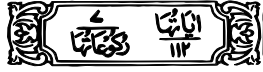


۱۱۲



सूरअे अम्बिया मकिकय्या

नामसे अल्वाउके बडा महरबान भपशनेवाला

आयत ११२ रकूअ ७

اقْتَرَبَ لِلنَّاسِ حِسَابُهُمْ وَهُمْ فِي غَفْلَةٍ مُّعْرِضُونَ ۝۱

नजदीक आ गया लोगोंके लिये उनका हिसाब, और वोह हे कि गफलतमें मुंड केरे हें (१)

مَا يَأْتِيهِمْ مِّنْ ذِكْرٍ مِّن رَّبِّهِمْ مُّحَدَّثٍ إِلَّا اسْتَعْوَاهُ وَهُمْ

न आया उनके पास कोरि नया पैगाम उनके रबका, मगर यड कि उसे सुना

يَلْعَبُونَ ۝۲ لَاهِيَةً قُلُوبُهُمْ وَأَسْرَأَ النُّجُومِ الَّذِينَ ظَلَمُوا ۝۳

भेवते छूअे (२) उनके दिल भिल-उरे. और फुड़िया मशवरा किया अंधेरवालोंने.

هَلْ هَذَا إِلَّا بَشْرٌ مِّثْلَكُمُ أَفَتَأْتُونَ السَّحَرَاءَ وَأَنْتُمْ تُبْصِرُونَ ۝۴

कि यड नहीं हे मगर तुम्हारी तरड भशर, तो क्या जादूके पास आते जाते छे देभते भावते (३)

قُلْ رَبِّي يَعْلَمُ الْقَوْلَ فِي السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝۵

नभीने कडा कि मेरा रब जानता हे हर बातको आस्मानो जमीनकी. और वोह सुननेवाला जाननेवाला हे (४)

بَلْ قَالُوا أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ بَلْ افْتَرَاهُ بَلْ هُوَ شَاعِرٌ فَلْيَأْتِنَا

बल्कि वोह बक दिये कि ज्वाभ परेशां हें बल्कि मनगढत हे, बल्कि वोह शाँर हें. बिडाजा हमारे पास

بِآيَةٍ كَمَا أُرْسِلَ الْأَوَّلُونَ ۝۶ مَا آمَنْتَ قَبْلَهُمْ مِّنْ قُرْآنٍ

कोरि निशानी लाअे, जिस तरड अगले भेजे गअे थे (५) न माना उनसे पहले किसी आभादीने

أَهْلَكْنَاهُمْ أَفَهُمْ يَوْمِنُونَ ۝۷ وَمَا أَرْسَلْنَا قَبْلَكَ إِلَّا رِجَالًا

जिनको हमने तबाह कर दिया, तो भला क्या यड मानेंगे (६) और नहीं रसूल किया हमने तुमसे पहले मगर मर्दे भैदान, जिनके पास

تُوحًى إِلَيْهِمْ فَسَلُوا أَهْلَ الدَّاكِرَانِ كُنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ۝۸ وَمَا

हम वही इरमाते. तो दरयाइत करो जाननेवालोंसे, अगर तुम फुड नहीं जानते (७) और नहीं

جَعَلْنَاهُمْ جَسَدًا آلَا يَأْكُلُونَ الطَّعَامَ وَمَا كَانُوا خَالِدِينَ ۝۹ ثُمَّ

बनाया था हमने उन्हें भेजान धड, कि न भाअे पाना, और न वोह हमेशा यडां रहनेवाले (८) इर

صَدَقْنَاهُمُ الْوَعْدَ فَأَنْجَيْنَاهُمْ وَمَنْ نَّشَاءُ وَأَهْلَكْنَا الْمُسْرِفِينَ ۝۱०

हमनेसय कर दिभाया उन्हेंअपनेवा'देको, युना-येभया लिया हमनेउन्हेंऔर जिसेयाडा, और भरभाद कर दिया ज्यादती करनेवालोंको (९)

لَقَدْ أَنْزَلْنَا إِلَيْكُمْ كِتَابًا فِيهِ ذِكْرُكُمْ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۱۰ وَكُمْ

बेशक उतारा हमने तुम्हारी तरफ़ किताब, जिसमें तुम्हारे लिये बड़ी बात है, तो क्या अकलसे काम नहीं लेते ? (१०) और

قَصَصْنَا مِنْ قَبْلِهِ كَانَتْ ظَالِمَةً وَأَنْشَأْنَا بَعْدَهَا قَوْمًا

कितनी बरबाद कर दीं हमने बस्ती जो अंधेर नगरी थी, और पैदा कर दीं उनके बाद दूसरी

آخِرِينَ ۱۱ فَلَمَّا أَحْسَوْا بِأَسْنَا إِذَا هُمْ مِنْهَا يَرْكُضُونَ ۱۲ لَا

कीमें (११) फिर जब उन्होंने देखा हमारा अजाब, उसी वक्त वहांसे भागने लगे (१२) भागो

تَرْكُضُوا وَارْجِعُوا إِلَىٰ مَا أَتَرْتُمْ فِيهِ وَمَسْكِنُهُمْ لَعَلَّكُمْ

मत, और लौट यहाँ जिस आराममें थे, और अपने घरोंकी, कि तुम

تَسْأَلُونَ ۱۳ قَالُوا يَا وَيْلَنَا إِنَّا كُنَّا ظَالِمِينَ ۱۴ فَمَا تَرَأَيْتَ لَكَ

से पूछा जाये (१३) भोले छाये अकसोस ! हमीं अंधेरवाले थे (१४) फिर यही रह

دَعْوَاهُمْ حَتَّىٰ جَعَلْنَاهُمْ حَصِيدًا خَبِيرِينَ ۱۵ وَمَا خَلَقْنَا

गर्ह थी उनकी पुकार यहाँ तक कि कर दिया हमने उन्हें कटा भेत, बुज़ी आग (१५) नहीं पैदा करमाया हमने

السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا لِعِبَادِنَا لَوْ أَرَدْنَا أَنْ نَتَّخِذَ

आस्मान व जमीनको, और जो कुछ उनके दरमियान है, बेकार (१६) अगर तहतें कुदरत व मशियत होता, कि हम

لَهُمْ إِلَّا تَتَّخِذُنَا مِنْ لَدُنَّا قَوْمًا ۱۷ إِن كُنَّا فَعَلِينَ ۱۸ بَلْ نَقْذِفُ

ईफ्तियार करें भिलौना, तो ईफ्तियार कर लेते अपनी तरफ़से. अगर हमें करना होता (१७) बल्कि हम फेंक मारते हैं

بِالْحَقِّ عَلَىٰ الْبَاطِلِ فَيَدِّمَغْهُ فَإِذَا هُوَ زَاهِقٌ وَلَكُمُ الْوَيْلُ

उकको भातिल पर. तो वोह भेजा निकाल देता है भातिलका, जभी वोह मिटा मिटाया है. और तुम्हारे लिये बराबरी

مِمَّا تَصِفُونَ ۱۸ وَلَهُ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ ۱۹ وَمَنْ

है जो भातें बनाते हो (१८) और उसीका है जो आस्मानों और जमीनमें है. और जो उसके

عِنْدَهُ لَا يَسْتَكْبِرُونَ عَنْ عِبَادَتِهِ وَلَا يَسْتَحْسِرُونَ ۱۹

नजदीकी हैं, न बडे बनें उसकी ईबादतसे, और न थकें (१९)

يُسَبِّحُونَ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ لَا يَفْتُرُونَ ۲۰ أَمْ اتَّخَذُوا مِنَ

पाकी भोलें रात और दिन बेसिखिसिवा तोडे (२०) क्या काइरोंने बना लिये बलौतसे भा'बूद

الْأَرْضِ هُمْ يُنْشِرُونَ ﴿۲۱﴾ لَوْ كَانَ فِيهَا إِلَهٌ إِلَّا اللَّهُ لَفَسَدَتَا

जमीनसे, जो कुछ पैदा कर दें (२१) अगर होते जमीन व आस्मानमें बसोतसे मा'बूद अल्लाहके सिवा,

فَسُبْحَانَ اللَّهِ رَبِّ الْعَرْشِ عَمَّا يَصِفُونَ ﴿۲۲﴾ لَا يُسْأَلُ عَمَّا

तो जरूर भरबाह हो जाते, पस पाकी अल्लाहकी, परवरदिगार अर्शका, उनकी मनगढत बातोंसे (२२) वोह न पूछा जाओगा जो भी

يَفْعَلُ وَهُمْ يُسْأَلُونَ ﴿۲۳﴾ أَمْ آتَيْنَاهُمُ الْكِتَابَ قُلْ

करे, और सब पूछे जाओगे (२३) या बना लिया सबने अल्लाहके मुकाबले पर कर्ष मा'बूद. मुतालबा करो

هَاتُوا بُرْهَانَكُمْ هَذَا ذِكْرٌ مِّنْ مَّعِيَ وَذِكْرٌ مِّنْ قَبْلِي ۗ بَلْ

कि लाओ अपनी दलील. यह कुरआन है तजकिरा मेरे साथवालोंका और मुजसे पहलोंका. बल्कि

أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ۗ الْحَقُّ فَهُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿۲۴﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا

उनके बोधतेरे नहीं जानते, छक्को, तो वोह बेरुभी करते हैं (२४) और नहीं भेजा हमने

مِّنْ قَبْلِكَ مِنْ رَسُولٍ إِلَّا نُوحِي إِلَيْهِ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا أَنَا

तुमसे पहले कोई रसूल मगर वही भेजा किये उसकी तरफ, कि नहीं है कोई पूजनेके काबिल

فَاعْبُدُونِ ﴿۲۵﴾ وَقَالُوا اتَّخَذَ الرَّحْمَنُ وَلَدًا سُبْحَانَ اللَّهِ ۗ بَلْ

मेरे सिवा, तो मुज लीको पूजे (२५) और काकिर बोले कि बना लिया भुदाअे महरबानने ओलाह, पाकी है उसकी. बल्कि वोह

عِبَادٌ مُّكْرَمُونَ ﴿۲۶﴾ لَا يَسْبِقُونَهُ بِالْقَوْلِ وَهُمْ بِأَمْرِهِ يَعْمَلُونَ ﴿۲۷﴾

मुअज़्जल भन्टे हैं (२६) जो न सभकत करें उससे बातमें, और उसके हुकमकी ता'मील करते हैं (२७)

يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يَشْفَعُونَ إِلَّا لِمَنِ

वोह जानता है जो कुछ उनके सामने और जो कुछ उनके पीछे है, और न शफाअत करें बजुज उनकी, जिन्हें

أَرْزَقْنِي وَهُمْ مِّنْ خَشْيَتِهِ مُشْفِقُونَ ﴿۲۸﴾ وَمَنْ يَقُلْ مِنْهُمْ

अल्लाहने पसन्त इरमाया, और वोह सब भोके भुदासे थरति आते हैं (२८) और जो केह दे उनमेंसे

إِنِّي إِلَهٌ مِّنْ دُونِهِ فَذَلِكُ بُجْرِي جَهَنَّمَ ۗ كَذَلِكَ نَجْزِي

कि मैं मा'बूद हूँ अल्लाहके मुकाबिल, तो जैसेको सजा दें हम जहन्नमकी. ठसी तरह हम सजा देते हैं अंधेर

الظَّالِمِينَ ﴿۲۹﴾ أُولَئِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ إِنَّ السَّاعُتِ وَالْأَرْضِ

मथानेवालोंकी (२९) क्या नहीं सोया जिन्होंने कुछ किया, कि बिलाशुबह सारे आस्मान और जमीन

كَانَتْ رَتْقًا فَفَتَقْنَاهُمَا ۖ وَجَعَلْنَا مِنَ الْمَاءِ كُلَّ شَيْءٍ حَيٍّ أَفَلَا

बन्द थे, फिर हमने उन्हें भोला. और बनाया हमने पानीसे हर चीज जिन्दा. तो क्या

يُؤْمِنُونَ ۚ ۳۰ وَجَعَلْنَا فِي الْأَرْضِ رَوَاسِيَ أَنْ تَمِيدَ بِهِمْ وَ

नहीं मानते (३०) और गाड दिये हमने जमीनमें पहाड, कि कहीं छिल जाये उनके बिये. और

جَعَلْنَا فِيهَا فِجَاجًا سُبُلًا لَعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ ۚ ۳۱ وَجَعَلْنَا السَّمَاءَ

बनाया हमने उसमें जुबे जुबे रास्ते, कि लोग राह चलते फिरते हैं (३१) और कर दिया हमने आस्मानकी

سَقْفًا مَحْفُوظًا ۚ وَهُمْ عَنْ آيَاتِهِمَا مُعْرِضُونَ ۚ ۳۲ وَهُوَ الَّذِي

महकूज छत. और कुंकार उसकी निशानियोंसे मुंड डेरे हैं (३२) और वोही है जिसने पैदा

خَلَقَ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ ۗ كُلٌّ فِي فَلَكٍ

करमाया रात और दिनको, और सूरज और चाँदको. सब अेक द्वाँरेमें

يَسْبَحُونَ ۚ ۳۳ وَمَا جَعَلْنَا لِشَرٍّ مِنْ قَبْلِكَ الْخُلْدَ ۗ أَفَأَنْ

तेर रहे हैं (३३) और नहीं किया हमने किसी बशरके बिये तुमसे पहले यहाँ हमेशा रहना, तो क्या अगर तुम ठन्तिकाल

مَّتَّ فَهُمْ الْخُلْدُ ۗ وَنَ ۚ ۳۴ كُلُّ نَفْسٍ ذَائِقَةُ الْمَوْتِ ۗ وَنَبِّئُكُمْ

कर जाओ, तो यह काकिर लोग हमेशा रहने वाले हैं (३४) हर जानको मौतका मजा यचना है. और हम आजमाते हैं

بِالشَّرِّ وَالْخَيْرِ فِتْنَةً ۗ وَإِلَيْنَا تُرْجَعُونَ ۚ ۳۵ وَإِذْ أَرَأَى الَّذِينَ

तुम्हें द्रुप और सुभसे आजमानेको. और हमारे ही तरफ लौटाये जाओगे (३५) और जब देखा तुमको

كَفَرُوا وَإِنْ يَتَّخِذُ وَتَكَ إِلَّا هُزُؤًا ۗ أَهَذَا الَّذِي يَذَّكَّرُ إِلَيْكُمْ ۗ

काकिरोंने, तो नहीं करार देते तुम्हें मगर मजाक. कि क्या यही कहा करते हैं तुम्हारे बुर्तोंको.

وَهُمْ يَذَّكَّرُ الرَّحْمَنُ لَهُمْ كَفَرُوا ۗ ۳۶ خَلَقَ الْإِنْسَانَ مِنْ عَلَقٍ ۗ

हालांकि जुदाये महरबानके जिकसे वोड मुन्डर हैं (३६) पैदा किया गया है इन्सान जल्द पसन्दीसे. भडोत जल्द

سَأُورِيكُمْ آيَاتِي فَلَا تَسْتَعْجِلُون ۚ ۳۷ وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَذَا الْوَعْدُ

हम दिभा देंगे तुम्हें अपनी निशानियां, तो जल्दबाजीसे काम न लो (३७) और पूछते हैं कि कब यह वाँदा डोगा

إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۚ ۳۸ لَوْ يَعْلَمُ الَّذِينَ كَفَرُوا حِينَ لَا يَكْفُونُ

अगर सच्ये डो (३८) काश जानते जिन्हींने कुं कर रभा है, जिस वक्त, कि न

عَنْ وُجُوهِهِمُ النَّارَ وَلَا عَنْ ظُهُورِهِمْ وَلَا هُمْ يُنصَرُونَ ﴿۳۹﴾

रोक सकेंगे अपने चेहरेसे आग, और न अपनी अपनी पुश्तसे, और न उनकी मट्टकी जाओगी (३८)

بَلْ تَأْتِيهِمْ بَغْتَةً فَتَبْهَتُهُمْ فَلَا يَسْتَطِيعُونَ رَدَّهَا وَلَا هُمْ

बल्कि आ पड़ेगी उन पर अचानक तो भोयक्का कर देगी उन्हें, तो उसको फेर सकेंगे और न उन्हें

يُنظَرُونَ ﴿۴۰﴾ وَلَقَدْ اسْتَهْزَيْ بِرُسُلِكَ فَحَاقَ

भोडलत ही जाओगी (४०) और बेशक मजाक उड़ाया गया रसूलोंका तुमसे पहले, तो पड़ेगा

بِالَّذِينَ سَخِرُوا مِنْهُمْ مَا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ﴿۴۱﴾ قُلْ مَنْ

जो मजाक करते थे उनसे, उन पर उनका मजाक (४१) पूछो कि कौन

يَكْفُرُكُمْ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ مِنَ الرَّحْمَنِ بَلْ هُمْ عَنْ ذِكْرِ

महकूळ रभता है तुम्हें रात व दिन भुदाये महारभानसे. बल्कि वोह अपने परवरदिगार

رَبِّهِمْ مُعْرِضُونَ ﴿۴۲﴾ أَمْ لَهُمُ الْإِلَهَاءُ تَسْتَعْتَمُونَ مِنْ دُونِنَا لَا

की यादसे भुंड फेरे हैं (४२) क्या उनके भुत हैं जो बघाते हैं उन्हें मेरे मुकाबले पर. वोह तो

يَسْتَطِيعُونَ نَصْرَ أَنفُسِهِمْ وَلَا هُمْ مِنَّا يُصْحَبُونَ ﴿۴۳﴾ بَلْ

सकत नहीं रभते अपने आप मट्ट करनेकी, और न वोह हमसे मट्ट किये जायें (४३) बल्कि हम

مَتَّعْنَا هَؤُلَاءِ وَآبَاءَهُمْ حَتَّى طَالَ عَلَيْهِمُ الْعُمُرُ أَفَلَا يَرَوْنَ

ने रहने सहने दिया उनकी और उनके बापदाहोंको, यहां तक कि दरज छो गरी उनकी उम्र, तो क्या उन्हें नहीं

أَنَّا نَأْتِي الْأَرْضَ نَنْقُصُهَا مِنْ أَطْرَافِهَا أَفَهُمُ الْغَالِبُونَ ﴿۴۴﴾

सूजता कि हम उस मुल्कको घटाते जाते हैं उनके छुट्टसे. तो क्या यह जितेंगे (४४)

قُلْ إِنَّمَا أُنذِرُكُمْ بِالْوَحْيِ وَلَا يَسْمَعُ الصُّمُّ الدُّعَاءَ إِذَا مَا

साइ केह दो कि मैं बस डराता हूं तुम्हें वहीसे. और नहीं सुनते बडरे पुकारनेको, जब कि वोह

يُنذَرُونَ ﴿۴۵﴾ وَلَئِن مَّسَّتْهُمْ نَفْحَةٌ مِنْ عَذَابِ رَبِّكَ

डराये जायें (४५) और अगर लग जाती उन्हें डवा तुम्हारे रभके अजाबकी, तो जइर

لَيَقُولَنَّ يَوَيْلَنَا إِنَّا كُنَّا ظَالِمِينَ ﴿۴۶﴾ وَنَضَعُ الْمَوَازِينَ الْقِسْطَ

भोल पडते कि छाये बरबादी, बेशक हम अंधेरवाले थे (४६) और रभेंगे हम छन्साइके तराजू

لِيَوْمِ الْقِيَامَةِ فَلَا تُظْلَمُ نَفْسٌ شَيْئًا وَإِنْ كَانَ مِثْقَالَ حَبَّةٍ

کھامتکے دین، تو جُلْم نہ کیا جائیگا کوئی کُछ. اور अगर कुछ छो राँके दाने

مِنْ خَرْدَلٍ أَتَيْنَا بِهَا وَكَفَى بِنَا حَسِيبِينَ ﴿۴۷﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا

के बराबर, तो हम उसे भी ला चुके. और हम काड़ी हिसाब करनेवाले हैं (४७) और बेशक दिया हम

مُوسَى وَهَارُونَ الْفُرْقَانَ وَضِيَاءً وَذَكَرَ اللَّهُ لِلْمُتَّقِينَ ﴿۴۸﴾ الَّذِينَ

ने मूसा व हारूनको तौरेत, उक व बातिलको जुदा करनेवाली, और रोशनी और नसीहत उरनेवालोंके लिये (४८) जो

يَخْشَوْنَ رَبَّهُم بِالْغَيْبِ وَهُمْ مِنَ السَّاعَةِ مُشْفِقُونَ ﴿۴۹﴾ وَ

उरें अपने रबको बेदुबे, और वोह कयामतसे थरथराते हैं (४९) और

هَذَا ذِكْرٌ مُّبْرَكٌ أَنْزَلْنَاهُ وَأَنْتُمْ لَهُ مُّكْرُونَ ﴿۵۰﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا

यह नसीहत है मुबारक, कि उतारा हमने जिसे. तो क्या तुम उसके मुक़्दर हो ? (५०) और बेशक दिया था हम

إِبْرَاهِيمَ رُسُدَهُ مِنْ قَبْلُ وَكُنَّا بِهِ عَلِيمِينَ ﴿۵۱﴾ إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ

ने ईब्राहीमको उनकी नेक राह पहले हीसे, और हम उन्हें जानते थे (५१) जबकि कदा अपने बाबासे

وَقَوْمِهِ مَا هَذِهِ التَّاتِيلُ الَّتِي أَنْتُمْ لَهَا عَاكِفُونَ ﴿۵۲﴾ قَالُوا

और उसकी कौमसे, यह मूरतियां क्या हैं ? कि तुम उनका आसन मारे हो, सबने जवाब दिया (५२) कि

وَجَدْنَا آبَاءَنَا لَهَا عَابِدِينَ ﴿۵۳﴾ قَالَ لَقَدْ كُنْتُمْ أَنْتُمْ وَآبَاؤُكُمْ

“हमने अपने बापदादोंको पायाकि उनके पुजारी हैं” (५३) वोह बोले, कि “बिलाशुबह तुम और तुम्हारे बापदादा

فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۵४﴾ قَالُوا أَجِئْتَنَا بِالْحَقِّ أَمْ أَنْتَ مِنَ

भुली गुमराहीमें थे” (५४) सब बोले, कि “क्या आप हमारे पास उक लाये हैं, या बेकार

الطَّاعِينَ ﴿۵५﴾ قَالَ بَلْ رَبُّكُمْ رَبُّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ الَّذِي

मजाक करते हैं” (५५) वोह बोले “बल्कि तुम्हारा परवरदिगार आस्मान और जमीनका पालनहार है, जिसने उन

فَطَرَهُنَّ ۖ وَأَنَا عَلَىٰ ذَلِكُمْ مِنَ الشَّاهِدِينَ ﴿۵६﴾ وَتَاللَّهِ لَأَكِيدَنَّ

सबको पैदा इरमाया. और मैं उस पर गवाहोंमेंसे गवाह हूँ (५६) और अक्काउकी कसम उरर में

أَصْنَامَكُمْ بَعْدَ أَنْ تُولُوا مَدْيَنَ ﴿۵७﴾ فَجَعَلَهُمْ جُذُا ۖ إِلَّا

बिगाड़ूगा तुम्हारे भुतोंको, भा'द उसके कि तुम वापस जाओ पुशत दिभा कर” (५७) तो कर दिया उन भुतोंको रेजा रेजा, मगर

﴿۴۷﴾

كَبِيرًا لَهُمْ لَعَلَّهُمْ إِلَيْهِ يَرْجِعُونَ ﴿۵۸﴾ قَالُوا مَنْ فَعَلَ هَذَا

उनमें बड़ेको, कि वोह लोग उधर वापस डोंगे (५८) सब बोले कि “किसने किया यह हमारे

بِالْهَيْتَانِ إِنَّهُ لَيْسَ الظَّالِمِينَ ﴿۵۹﴾ قَالُوا سَبَعْنَا فَتَىٰ يَدُّ كُرْهُمُ

मा'बूदोंसे, बेशक वोह अंधेर करनेवालोंसे है” (५९) भा'उ बोले, कि “हमने सुना है अंक नौजवानको, कि उनके

يُقَالُ لَهُ إِبْرَاهِيمُ ﴿۶۰﴾ قَالُوا فَأْتُوا بِهِ عَلَىٰ أَعْيُنِ النَّاسِ لَعَلَّهُمْ

लिये बोलता है, उनको ठब्राहीम कहा जाता है” (६०) सब बोले, “तो उसको लाओ सबके सामने, कि वोह

يَشْهَدُونَ ﴿۶۱﴾ قَالُوا ۗ أَنْتَ فَعَلْتَ هَذَا بِالْهَيْتَانِ يَا إِبْرَاهِيمُ ﴿۶۲﴾

लोग गवाही दें” (६१) सबने पूछा, कि “क्या तुमने किया है यह हमारे मा'बूदोंके साथ अै ठब्राहीम ?” (६२)

قَالَ بَلْ فَعَلَهُ ۗ كَبِيرُهُمْ هَذَا فَسَأَلُوهُمْ إِنْ كَانُوا يَنْطِقُونَ ﴿۶۳﴾

जवाब दिया, “बलिके कर गुजरा हो, उनका यह बडा. तो उन सबसे पूछो अगर बोलते डों” (६३)

فَرَجَعُوا إِلَىٰ أَنفُسِهِمْ فَقَالُوا إِنَّكُمْ أَنْتُمُ الظَّالِمُونَ ﴿۶۴﴾ ثُمَّ نَكَسُوا

तो सबने अपने अपने जभमें पलटा भाया, और केहने लगे, कि “बिलाशुभल तुम्ही अंधेरवाले हो” (६४) फिर ओंधे

عَلَىٰ رُءُوسِهِمْ لَقَدْ عَلِمْتُمْ مَا هَؤُلَاءِ يَنْطِقُونَ ﴿۶۵﴾ قَالَ

सर कर दिये गअे. कि “तुम्हें भुभ मा'लूम है कि यह बोलते नही” (६५) जवाब दिया

أَفْتَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ مَا لَا يَنْفَعُكُمْ شَيْئًا وَلَا يَضُرُّكُمْ ﴿۶۶﴾

“तो क्या पूजा पाट करते डो अल्लाडसे बेवास्ता हो कर, उसका जो न बना सके तुम्हारा कुछ, और न बिगाड सके तुम्हारा (६६)

أَفِي لَكُمْ وَلِي مَا تَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۶۷﴾

थडी है तुम पर और उन पर जिन्हें तुम पूजते डो, भ मुकाबला अल्लाडके. तो क्या अकल नही रहते?” (६७)

قَالُوا احْرَقُوهُ وَانصُرُوا الْهَيْتَكُمُ إِنْ كُنْتُمْ فَعَلِينَ ﴿۶۸﴾ قُلْنَا يَا نَارُ

सबने कहा, कि “उनको जला दो, और मदद करो अपने मा'बूदोंकी, अगर करना है” (६८) हमने डुकम दिया, कि “अै आग

كُونِي بَرْدًا وَسَلَامًا عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ ﴿۶۹﴾ وَأَرَادُوا بِهِ كَيْدًا فَجَعَلْنَاهُمُ

डो जो ठंडी और सलामती ठब्राहीम पर” (६९) और उन लोगोंने याडा ठब्राहीमका भुरा, पस हमने कर दिया उन्हीकी

الْآخْسَرِينَ ﴿۷۰﴾ وَبَجَيْنَةَ وِلُوطًا إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي بَارَكْنَا فِيهَا

घाटेवाला (७०) और बया ले गअे डम उन्हें और लूतको, उस जमीनकी तरफ, कि जिसमें डमने भरकत टे रही है,

لِّلْعَالَمِينَ ﴿۴۱﴾ وَوَهَبْنَا لَهُ إِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ نَافِلَةً ۗ وَكُلًّا

जडानवालोंके लिये (७१) और अता इरमाया डमने ँन्हें ईरुडाक, और या'कूड डोत। और सडको डनया

جَعَلْنَا صَالِحِينَ ﴿۴۲﴾ وَجَعَلْنَاهُمْ آيَةً يَهْدُونَ بِأَمْرِنَا وَأَوْحَيْنَا

डमने लियाकतवाले (७२) और कर डिया डमने ँन्हें ईमाम, कि डिडायत करें डमारे डुकमसे, और वडी डेज डमने

إِلَيْهِمْ فَعَلِ الْخَيْرَاتِ وَإِقَامَ الصَّلَاةِ وَإِيتَاءَ الزَّكَاةِ ۗ وَكَانُوا

उनकी तरफ, नेकियोंके करने और नमाजकी डालन्डी, और जकत डेनेकी। और वोड थे डमारे

لَنَا عِبْدِينَ ﴿۴۳﴾ ۗ وَلَوْ طَأَّتْ يَنْبَهُ حُكْمًا وَعِلْمًا وَنَجَّيْنَاهُ مِنَ

डी डूजनेवाले (७३) और डूतको डिया था डमने नडुवत व ईलम, और नजत डी डमने ँन्हें उस

الْقَرْيَةِ الَّتِي كَانَتْ تَعْمَلُ الْخَبِيثَاتِ ۗ إِنَّهُمْ كَانُوا قَوْمًا سَوِيًّا ۗ فَمَسِيئِينَ ﴿۴۴﴾

आडडीसे जो डदकरी करती थी. डिलाशुडल वोड थे डदकडरडर डोग, नाकरडान (७५)

وَأَدْخَلْنَاهُ فِي رَحْمَتِنَا ۗ إِنَّهُ مِنَ الصَّالِحِينَ ﴿۴۵﴾ وَنُوحًا إِذْ

और ले डिया डमने डूतको अपनी रडडतडें. डेशक वोड लियाकत डन्डोंसे डूडे (७५) और नूड, जबकि

نَادَى مِنْ قَبْلُ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَنَجَّيْنَاهُ وَأَهْلَهُ مِنَ الْكَرْبِ

डुकारा डडले उससे, तो डमने कडूल इरमा लिया उसे, युनान्चे नजत डी डमने ँन्हें, और उनके अडलको

الْعَظِيمِ ﴿۴۶﴾ وَنَصَّرْنَاهُ مِنَ الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۗ إِنَّهُمْ

डडी सड्नीसे (७६) और डदड इरडार्थ डमने उनकी उस कौडसे, जिसने डूटवाया डडारी नशाडियोंको, डेशक वोड थे

كَانُوا قَوْمًا سَوِيًّا ۗ فَأَعْرَفْنَاهُمْ أَجْمَعِينَ ﴿۴۷﴾ وَدَاوُدَ وَسُلَيْمَانَ إِذْ

डुरे डोग, तो डमने डिडो डिया उन सडको (७७) और डडूड व सुलैडान, जबकि

يَمْكُلِينَ فِي الْحَرِّ إِذْ نَفَسَتْ فِيهِ غَمُّ الْقَوْمِ ۗ وَكُنَّا لِحُكْمِهِمْ

इेसला कर रहे थे डेतीके डारेडें, कि डड गथ थीं उसडें डोगोंकी डकरियां, और डड तो उनके इेसले

شَاهِدِينَ ۗ فَفَرَقْنَاهُمْ حَسْبَيْنِ ۗ وَكُلًّا آتَيْنَاهُمْ حُكْمًا وَعِلْمًا ۗ وَ

के वकत डालडर डी थे (७८) तो डमने सडजड डिया डुआडला सुलैडानको. और सडको डे रडड था डमने डुकूडत व ईलम. और

سَخَّرْنَا مَعَ دَاوُدَ الْجِبَالَ يُسَبِّحْنَ وَالطَّيْرَ ۗ وَكُنَّا فَاعِلِينَ ﴿۴۸﴾

कडुडें कर डिया डमने डडूडके साथ डडडोंको कि तरडीड करें, और डरडन्डको. और करनेवाले डड थे (७८)

وَعَلَّمْنَاهُ صَنْعَةَ لَبُوسٍ لَّكُمْ لِيَتَّخِصَّكُمْ مِنْ بَأْسِكُمْ فَهَلْ

और सिखा दिया था हमने उन्हें एक तुम्हारे कामके पहनावेकी कारीगरी, कि तुम्हारी छिकाजत करे तुम लोगोंकी जंग

أَنْتُمْ شَاكِرُونَ ﴿۸۰﴾ وَإِسْلِيمِينَ الرَّيِّحِ عَاصِفَةً مَجْرِي بِأَمْرِهِ

से, तो क्या तुम शुक्र गुजार हो ? (८०) और सुलैमानके लिये तेज उवाको, कि यला करे उनके हुकमसे

إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا وَكُنَّا بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمِينَ ﴿۸۱﴾ وَ

उस जमीनकी तरफ जिसमें हमने बरकत दे रभी है. और हम हर चीजके दाना हैं (८१) और

مِنَ الشَّيْطَانِ مَنْ يَغْوُصُونَ لَهُ وَيَعْمَلُونَ عَمَلًا دُونَ

कुछ शैतान थे कि गोते लगाते उनके लिये, और दूसरे काम करते.

ذَلِكَ وَكُنَّا لَهُمْ حَافِظِينَ ﴿۸۲﴾ وَأَيُّوبَ إِذْ نَادَى رَبَّهُ أَنِّي

और हम सबके निगरां थे (८२) और अय्यूबने जब पुकारा अपने रबको, कि

مَسَّنِيَ الضُّرُّ وَأَنْتَ أَرْحَمُ الرَّحِيمِينَ ﴿۸۳﴾ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَكَشَفْنَا

पहोंचा है मुझे दुःख, और तू सब रहमवालोंसे बढकर रहमवाला है (८३) तो कबूल इरमा लिया हमने उसे, तो दूर कर दिया हम

مَا بِهِ مِنْ صُذْرٍ وَأْتَيْنَاهُ أَهْلَهُ وَمِثْلَهُمْ مَعَهُمْ رَحْمَةً مِّنْ

ने जो उन्हें दुःख था, और दिया हमने उन्हें उनके अडलो अयालको, और उतने ही और रहमत इरमाते दूअे, अपनी

عِنْدَنَا وَذَكَرَى لِلْعَبِيدِينَ ﴿۸۴﴾ وَاسْمَعِيلَ وَإِدْرِيسَ وَذَا الْكِفْلِ

तरफसे, और दस अपने पुत्रारियोंके लिये (८४) और ईस्माईल व ईदरीस व जुल्किफल.

كُلٍّ مِّنَ الصَّابِرِينَ ﴿۸۵﴾ وَأَدْخَلْنَاهُمْ فِي رَحْمَتِنَا إِنَّهُمْ مِّنْ

सब सभ्रवाले थे (८५) और ले लिया हमने उन्हें अपनी रहमतमें, कि भिलाशुभल वोड लियाकत

الصَّابِرِينَ ﴿۸۶﴾ وَذَالْقُنُودِ إِذْ ذُهِبَ مُغَاضِبًا وَقَطِنَ أَنْ لَّنْ

मन्होंसे थे (८६) और जुन्नून, जबकि यल पडे थे गुस्सेमें भरे, फिर भयाल किया, कि हम तंगी न डालें

تَقْدِيرَ عَلَيْهِ فَنَادَى فِي الظُّلُمَاتِ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا أَنْتَ سُبْحَانَكَ

गे उन पर, फिर पुकारा अंधेरियोंमें, कि नहीं है कोर पूजनेके काबिल सिवा तेरे, पाकी है तेरी.

إِنِّي كُنْتُ مِنَ الظَّالِمِينَ ﴿۸۷﴾ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ وَوَجَّيْنَاهُ مِنَ الغَمِّ

बेशक में बेजा करनेवालोंसे था (८७) तो हमने कबूल इरमा लिया उस पुकारको, और भया लिया उनको गमसे.

وَكذَلِكَ نُنَجِّي الْمُؤْمِنِينَ ﴿۸۸﴾ وَتَرَكَرِيًّا إِذْ نَادَى رَبَّهُ رَبِّ لَا

اور اسی तरल भया लेते हैं डम अपने माननेवालोकु (८८) और ङकरियाने जब पुकारा अपने रभकु, कु परवरद्विगारा

تَدْرِنِي فَرْدًا وَأَنْتَ خَيْرُ الْوَارِثِينَ ﴿۸۹﴾ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ وَوَهَبْنَا

मत छुड मुजे लावारिष, और तू सभसे बेडतर वारिष हे (८९) तु डमने उसे कबूल इरमा विया और भप्श दिया

لَهُ يَحْيَىٰ وَأَصْحٰنَا لَهُ زَوْجَةٌ لَّهُمْ كَأَنَّهُمْ كَانُوا يُسْرِعُونَ

उन्हें यड्या. और उनके लाठक कर दिया डमने उनकी भीभीकु. बेशक यड लोग जल्दी करते थे

فِي الْخَيْرَاتِ وَيَدْعُونَنَا رَغَبًا وَرَهَبًا ۗ وَكَانُوا لَنَا خُشِعِينَ ﴿۹۰﴾

नेडियुमें. और पुकारते थे डमें भुशी भुशी, और कान्ते डरते, और थे डमारे सामने गिडगिडानेवाले (९०)

وَالَّتِي أَحْصَدْتِ فَرْجَهَا فَنَفَخْنَا فِيهَا مِنْ رُوحِنَا وَجَعَلْنَاهَا

और वोड जिसने मडकुड रभी अपनी पाकबाळी, तु नकुभे डड इरमाया डमने, और बना दिया उन्हें और

وَابْنَهَا آيَةً لِلْعَالَمِينَ ﴿۹۱﴾ إِنَّ هَذِهِ أُمَّتُكُمْ أُمَّةً وَاحِدَةً ۗ وَ

उनके बेटेकु निशानी सारे जडडके विये (९१) बेशक यड तुम्हारा डीन, अेक ही डीन हे. और

أَنَا رَبُّكُمْ فَاعْبُدُونِ ﴿۹۲﴾ وَتَقَطَّعُوا أَمْرَهُمْ بَيْنَهُمْ كُلُّ إِلَيْنَا

में तुम सभका रभ डूं, तु मेरी ठभादत करो (९२) और पारड पारड कर दिया उन्होंने अपना काम आपसमें. सभ डमारी तरक

لِرِجْعُونَ ۗ فَمَنْ يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَلَا

लौटनेवाले हैं (९३) तु जो करता हे वियाकत मन्डीके काम, और वोड साडिभे ठमान हे, तु उसकी

كُفْرَانَ لَسَعِيَةٍ وَإِنَّا لَهُ كَاتِبُونَ ﴿۹۴﴾ وَحَرَّمَ عَلَىٰ قُرَيْشٍ

मडनतका कुठ ठन्कार नही. और बिलाशुभड डम सभ विभते हैं (९४) और डराम हे उस आभाटी पर जिसकी

أَهْلَكْنَاهَا أَنَّهُمْ لَا يُرْجَعُونَ ﴿۹۵﴾ حَتَّىٰ إِذَا فُتِحَتْ يَأْجُوجُ

डमने भरभाद कर दिया हे, कु वोड लोग अब यडं न वापस डुंगे (९५) यडं तक कु जब भोल दिये गअे याजूज

وَمَا جُوجُ وَهُمْ مِنْ كُلِّ حَدَبٍ يَنْسِلُونَ ﴿۹۶﴾ وَاقْتَرَبَ الْوَعْدُ

व माजूज, और वोड डर टीलेसे ढलकुंगे (९६) और नजडीक आ गया वा'दअे

الْحَقِّ فَآذَاهِيَ شَاخِصَةً أَبْصَارَ الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ يُؤْيَلِنَا

डक्का, तु उस डम इटीकी इटी रड जअुंगी आंभें काइरुंकी. डअे अइसुस !

قَدْ كُنَّا فِي عَفْوَهِ مَنْ هَذَا بَلْ كُنَّا ظَالِمِينَ ﴿۹۷﴾ إِنَّكُمْ وَمَا

उम गङ्गलतमें पडे थे उस ज्ञानिभसे, बलिके उम अंधेरवाले थे (९७) बेशक तुम और

تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ حَصَبُ جَهَنَّمَ أَنْتُمْ لَهَا وَرَدُونَ ﴿۹۸﴾

तुम्हारे भिनदूनिल्लाह सारे मा'बूद, जहन्नमका र्धन हैं. तुम उसमें जाओगे (९८)

لَوْ كَانَ هُوَ اللَّهُ مَا وَرَدَ وَهَاطُ وَكُلٌّ فِيهَا خُلْدُونَ ﴿۹۹﴾ لَمْ

अगर यह मा'बूद डोते, तो र्धसमें न जाते. और सब उसमें उमेशा रहनेवाले हैं (९९) उन्हे

فِيهَا زَفِيرٌ وَهُمْ فِيهَا لَا يَسْمَعُونَ ﴿۱००﴾ إِنَّ الَّذِينَ سَبَقَتْ لَهُمْ

उसमें गधेकी थीष डे, और वोड उसमें सुन न पाओगे (१००) बेशक जिनके लिये पडले डो युका उमारी

مِنَّا الْحُسْنَىٰ أُولَٰئِكَ عَنْهَا مُبْعَدُونَ ﴿۱०१﴾ لَا يَسْمَعُونَ حَسِيسَهَا

तरफसे सभसे अच्छा अ-जाम, वोड उससे दूर रहे जाओगे (१०१) न सुनेगे उसकी लनक.

وَهُمْ فِي مَا اشْتَهَتْ أَنفُسُهُمْ خُلْدُونَ ﴿۱०२﴾ لَا يَحْزَنُهُمُ الْقَرْعُ

और वोड उसमें जिसको उन्डोंने याडा, उमेशा रहनेवाले हैं (१०२) नहीं रन्जुडा करता उन्हे वोड सभ

الْأَكْبَرُ وَتَتَلَقَّوهُمْ السَّلِيكَةُ ﴿۱०३﴾ هَذَا يَوْمُكُمْ الَّذِي كُنْتُمْ

से बडी धभराडट, और मिलेंगे उन्हे करिशते, कि यह तुम्हारा वोडी दिन है जिसका तुम्हें वा'दा

تُوْعَدُونَ ﴿۱०४﴾ يَوْمَ نَطْوِي السَّمَاءَ كَطَيِّ السِّجِلِّ لِلْكُتُبِ ﴿۱०५﴾

दिया गया था (१०३) जिस दिन कि लपेटेंगे उम आस्मानोंको, मिषल लपेटने सिजिलके नविशतोंको.

كَمَا بَدَأْنَا أَوَّلَ خَلْقٍ نُعِيدُهُمْ وَعَدَّا عَلَيْنَا وَإِنَّا كُنَّا

जिस तरह कि र्धन्तिडा इरमारु थी उमने पडली पैदा र्धशकी, दोबारा कर देंगे उसे, यह वा'दा है उमारे जिम्मे, उमकी

فَاعِلِينَ ﴿۱०६﴾ وَلَقَدْ كَتَبْنَا فِي الزَّبُورِ مِنْ بَعْدِ الذِّكْرِ أَنَّ

जूर करना है (१०४) और बेशक लिषा उमने जभूरमें नसीडतके बा'द, कि बेशक

الْأَرْضَ يَرِثُهَا عِبَادِيَ الصَّالِحُونَ ﴿۱०७﴾ إِنَّ فِي هَذَا لَبَلَاغًا

रुस जभीनके वारिष डोंगे मेरे लियकतवाले बन्दे (१०५) बेशक रुस कुरआनमें काडी पैगाम

لِقَوْمٍ عَابِدِينَ ﴿۱०८﴾ وَمَا أَرْسَلْنَاكَ إِلَّا رَحْمَةً لِّلْعَالَمِينَ ﴿۱०९﴾ قُلْ

है र्धबादत करनेवालोंके लिये (१०६) और नहीं भेजा उमने तुम्हें मगर रहमत सारे जडोंके लिये (१०७) केड दो कि

إِنَّمَا يُوْحَىٰ إِلَىٰ آتِنَا إِلَهُكُمْ إِلَهٌ وَاحِدٌ ۚ قَهْلَ أَنْتُمْ مُسْلِمُونَ ﴿۱۰۸﴾

यही वही की जाती है मेरी तरफ, कि बस तुम्हारा माबूद है सिर्फ अल्लाह अकेला, तो क्या तुम ईस्लाम कबूल करते हो (१०८)

فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقُلْ آذَنْتُكُمْ عَلَىٰ سَوَاءٍ وَإِنْ أَدْرَىٰ أَقْرَبُ

झिरे अगर उन्होंने बेरुभी की, तो केह दो कि मेंने जंगका ओ'लान कर दिया तुमसे बराबर पर, और में क्या अटकल रभूं, कि करीब

أَمْ بَعِيدٌ مَّا تُوعَدُونَ ﴿۱۰۹﴾ إِنَّهُ يَعْلَمُ الْجَهْرَ مِنَ الْقَوْلِ وَ

है या दूर है, जिसका तुम्हें वा'दा किया गया (१०९) बेशक वोह जानता है आवाजकी बोली, और

يَعْلَمُ مَا تَكْتُمُونَ ﴿۱१०﴾ وَإِنْ أَدْرَىٰ لَعَلَّهُ فِتْنَةٌ لَّكُمْ وَ

जानता है जो तुम छुपाते हो (११०) और में क्या अटकल लगाई कि वोह तुम्हारी आजमाईश है, और

مَتَاعٌ إِلَىٰ حِينٍ ﴿۱११﴾ قُلْ رَبِّ احْكُم بِالْحَقِّ وَرَبُّنَا الرَّحْمَنُ

कुछ वक्तका रहना सडना है (१११) हुआ कि परवरदिगारा केसला इरमा दे डक. और हमारा रब बडा महरबान,

الْمُسْتَعَانُ عَلَىٰ مَا تَصِفُونَ ﴿۱१२﴾

उसीकी मदद इरकार है जो भाते तुम करते हो. (११२)

سُورَةُ الْحَجِّ ۝ ۲۲ مَكِّيَّةٌ ۝ ۱۰۸

सूरअे डज महनिथ्या

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बभशनेवाला

आयात ७८ रुकूअ १०

يَا أَيُّهَا النَّاسُ اتَّقُوا رَبَّكُمُ ۖ إِنَّ زَلْزَلَةَ السَّاعَةِ شَيْءٌ عَظِيمٌ ﴿۱﴾

ऐ लोगो ! उरो अपने रबको, बेशक क्यामतका जल्लावा बडी सप्त थीज है (१)

يَوْمَ تَرُودُنَّهَا تَخَذَلُ كُلُّ مُرْضِعَةٍ عَمَّا أَرْضَعَتْ وَتَضَعُ كُلُّ

जिस दिन तुम देभ ही लोगे कि भूल गई हर दूध पिलानेवाली जिसको दूध पिलाया है, और डाल देगी हर

ذَاتِ حَمْلٍ حَمْلَهَا وَتَرَى النَّاسَ سُكَرَىٰ وَهَٰؤُلَاءِ سُرَّارٌ

डामिला अपना डमल, और तुम देभोगे लोगोंकी कि नशके मारे हैं, डालांकि वोह नशेमें नहीं हैं.

وَلَكِنَّ عَذَابَ اللَّهِ شَدِيدٌ ﴿۲﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَن يُجَادِلُ

लेकिन डं अल्लाहका अजाब सप्त है (२) और कुछ लोग हैं कि जगडते हैं

فِي اللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَيَتَّبِعُ كُلَّ شَيْطَانٍ مَّرِيدٍ ﴿۳﴾ كُتِبَ عَلَيْهِ

अल्लाहके बारेमें बेजाने भूजे, और पीछे पीछे रहते हैं हर शैतान सरकशके (३) जिसके लिये ते कर दिया गया है

أَنَّهُ مَنْ تَوَلَّاهُ فَأَتَتْهُ يُضِلُّهُ وَيَهْدِيهِ إِلَىٰ عَذَابِ السَّعِيرِ ﴿۷﴾

कि जो उसकी दोस्ती करे, वोह उसको गुमराह करता रहे, और वे सबे उसे अजाबे जहन्नमकी तरफ (४)

يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّ كُنْتُمْ فِي رَيْبٍ مِّنَ الْبَعْثِ فَإِنَّا خَلَقْنَاكُمْ

लोगो ! अगर तुम्हें शक है कयामतमें जिन्दा उठाये जानेमें, तो भिलाशुभल हमीने

مِّن تُرَابٍ ثُمَّ مِّن نُّطْفَةٍ ثُمَّ مِّن عِلْقَةٍ ثُمَّ مِّن مُّضْغَةٍ

तुमको पैदा करमाया मिट्टीसे, फिर नुईसे, फिर गाढे भूनसे, फिर लोथड़ेसे,

مُخَلَّقَةٍ وَغَيْرِ مُخَلَّقَةٍ لِّنُبَيِّنَ لَكُمْ وَنُقِرُّ فِي الْأَرْحَامِ مَا

सूरत पूरी बनी या बेबनी, ताकि हम रौशन कर दें लकीकत तुम्हारे लबेको, और हम ठहराव देते हैं मांडे पेटमें

نَشَاءً إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى ثُمَّ نُخْرِجُكُمْ طِفْلًا ثُمَّ لِتَبْلُغُوا أَشُدَّكُمْ

जिसे चाहें, अक मुकररर वकत तक. फिर निकालते हैं हम बच्चा, कि फिर पढोंयो तुम अपनी जवानीको

وَمِنكُمْ مَّن يَتُوتَىٰ وَمِنكُمْ مَّن يُرَدُّ إِلَىٰ أَرْدَلِ الْعُمْرِ لِكَيْلَا

और भा'ज तुम्हारे हैं कि उनकी उम्र पूरी कर दी जाती है, और कुछ वोह कि केंक दिये गये निकम्मी उम्र तक, कि कुछ न

يَعْلَمَ مِنْ بَعْدِ عِلْمٍ شَيْئًا وَتَرَى الْأَرْضَ هَامِدَةً فَإِذَا

जानें, जाननेके भा'द. और देखा करते हो जमीनको सूभी पडी, फिर जब

أَنْزَلْنَا عَلَيْهَا الْمَاءَ اهْتَرَّتْ وَرَبَتْ وَأَنْبَتَتْ مِنْ كُلِّ

हमने गिराया उस पर पानी, तो उलरी और कूली और उगाने लगी हर किस्मके

رَوْحٍ بَهِيْجٍ ﴿۸﴾ ذَلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ هُوَ الْحَقُّ وَأَنَّ الْيَحْيَىٰ الْمَوْجِي

भुशनुमा जोडे (५) यह सब यूं कि भिलाशुभल अल्लाह ही लक है. बेशक वोह जिवाता है मुहोंको,

وَأَنَّ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۹﴾ وَأَنَّ السَّاعَةَ آتِيَةٌ لَا رَيْبَ

और बेशक वोह हर याडे पर कुदरत रभता है (६) और बेशक कयामत आनेवाली ही है, जिसमें जरा भी शक

فِيهَا وَإِنَّ اللَّهَ يَبْعَثُ مَن فِي الْقُبُورِ ﴿۱۰﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَن

नहीं. और बेशक अल्लाह जिन्दा उठायेगा, जो कब्रोंमें हैं (७) और उन लोगोंमें वोह भी है कि

يُجَادِلُ فِي اللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى وَلَا كِتَابٍ مُّبِينٍ ﴿۱۱﴾ تٰنِي

जगडता है अल्लाहके बारेमें, बगैर जाने भूले और बगैर राह पाये, और बगैर किसी रौशन लिभके (८) अपनी

عِطْفِهِ لِيُضِلَّ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ط لَهُ فِي الدُّنْيَا خَيْرٌ وَ

गरदन जटका करता कि बेराह कर दे अल्लाहकी राहसे, उसके बिये दुन्यामें रुस्वाँ है और

نُذِيقُهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ عَذَابَ الْحَرِيقِ ٩ ذَلِكَ بِمَا قَدَّمْتَ

सभाअंगे डम उसे कयामतके दिन, आगका अजाब (९) यह है जो पहले ही भेज दिया था

يَدَاكَ وَأَنَّ اللَّهَ لَيْسَ بِظَلَّامٍ لِّلْعَبِيدِ ١٠ وَمِنَ النَّاسِ مَن

तेरे हाथोंने, और बेशक अल्लाह नहीं अंधेर करता अपने बन्दोंके डकमें (१०) और उन लोगोंमें वोड है, जो

يَعْبُدُ اللَّهَ عَلَى حَرْفٍ فَإِن أَصَابَهُ خَيْرٌ اطْمَأَنَّ بِهِ ١١ وَ

पूजता है अल्लाहको ठमानसे कनाराकश डो कर, तो अगर पडोंथी उन तक भलाँ तो मुत्मँन डो गया. और

إِن أَصَابَتْهُ فِتْنَةٌ أُنْقَلَبَ عَلَى وَجْهِهَا ١٢ خَسِرَ الدُّنْيَا وَ

अगर पडोंथी कोँ आजभाँश तो पलट गया मुँडके बल... घाटा डो गया दुन्या व

الْآخِرَةَ ١٣ ذَلِكَ هُوَ الْخُسْرَانُ الْمُبِينُ ١١ يَدَّعُوا مِن دُونِ

आभिरतका. यही भुला डुवा घाटा है (११) दुआअँ करता है भिनदूनिल्लाहसे

اللَّهِ مَا لَا يَضُرُّهُ وَمَا لَا يَنْفَعُهُ ١٤ ذَلِكَ هُوَ الضَّلَالُ الْبَعِيدُ ١٢

जो न भिगाड सकँ उसका, और जो न बना सकँ. यही है पल्ले सिरेकी गुमराही (१२)

يَدَّعُوا لِمَن ضُرُّهُ أَقْرَبُ مِن نَّفْعِهِ ١٥ لَيْسَ الْمَوْلَى

दुआ मांगता है उससे जिसका नुकसान ज्याडा करीब है भयावी नफअसे. बेशक कितना भुरा भौला

وَلَيْسَ الْعَشِيرُ ١٦ إِنَّ اللَّهَ يَدْخُلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

और बेशक केंसा भुरा साथी है (१३) बेशक अल्लाह दाभिल इरमाअेगा जो मान गअे, और लियाकत

الطَّالِحَاتِ جَدَّتِ تَجْرِي مِن تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ إِنَّ اللَّهَ يَفْعَلُ

मन्दीके काम किये, बागोंमें, डि बेडती हैं जिनके नीचे नहरें. भिलाशुभड, कर गुजरे

مَا يَرِيدُ ١٧ مَن كَانَ يَظُنُّ أَن لَّن يَنْصُرَهُ اللَّهُ فِي الدُّنْيَا

जो याडे (१४) जो ठस भवतमें है डि अल्लाह अपने नबीकी मदद न दुन्यामें इरमाअेगा

وَالْآخِرَةِ فَلْيَبَدِّدْ سَبَبَ إِلَى السَّمَاءِ ثُمَّ لِيَقْطَعْ فَلْيَنْظُرْ

और न आभिरतमें, तो वोड अेक रस्सीसे लटक जअे आलमे भाला तक, इर काट दे, अब देभे

هَلْ يُدْهِبَنَّ كَيْدَهُ مَا يَغِيظُ ۝۱۵ وَكَذَلِكَ أَنْزَلْنَاهُ آيَاتٍ

उसकी तरकीबने दूर कर दिया जिससे वोड़ बिन्ना जाता है (१५) और उसी तरह उतारा हमने उसे रौशन आयतों,

بَيِّنَاتٍ ۚ وَأَنَّ اللَّهَ يَهْدِيَ مَن يُرِيدُ ۝۱۶ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا

और बेशक अल्लाह राह दे जिसे चाहे (१६) बेशक सारे मुसल्मान,

وَالَّذِينَ هَادُوا وَالظَّالِمِينَ وَالنَّاصِرِينَ وَالْمَجُوسَ ۚ

और जो यहूदी हैं, और सितारा परस्त और ईसाई, और आतिश परस्त और

الَّذِينَ اشْرَكُوا ۚ إِنَّ اللَّهَ يَفْصِلُ بَيْنَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۚ

मुश्रिक लोग, ज़रूर फैसला करमायेगा अल्लाह उनके दरमियान, कयामतके दिन.

إِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ۝۱۷ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يَسْجُدُ لَهُ

बेशक अल्लाहके सामने सब कुछ है (१७) क्या तुमने नहीं देखा, कि अल्लाहका सजदा करते हैं

مَنْ فِي السَّمَوَاتِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ وَالشَّمْسُ وَالْقَمَرُ ۚ

जो भी आस्मानोंमें और जो भी जमीनमें हैं, और सूरज, और चांद, और

الْجِبَالُ وَالْجُرْمُ وَالْجَبَالُ وَالشَّجَرُ وَالذَّوَابُّ ۚ وَكَثِيرٌ مِّنَ النَّاسِ

तारे, और पहाड, और दरभत, और चौपाये, और बोडतरे इन्सान

وَكَثِيرٌ حَقٌّ عَلَيْهِ الْعَذَابُ ۚ وَمَنْ يُهِنِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ

और बोडतरे हैं कि उन पर अजाब होना ही है. और जिसे अल्लाह रुखा करे, तो उसको कोई ईज्जत देने

مُكْرِمٍ ۚ إِنَّ اللَّهَ يَفْعَلُ مَا يَشَاءُ ۝۱۸ هَذِهِ خُصَمَاءُ الَّذِينَ خَفَوْهُ

वाला नहीं. बेशक अल्लाह करे जो चाहे (१८) यह दो इरीक हैं जो लड परे

فِي رِيهِمْ ۚ فَالَّذِينَ كَفَرُوا قُطِعَتْ لَهُمْ ثِيَابٌ مِّن تَأْمُرًا

अपने रबके बारेमें, तो जिन्होंने कुड़ किया, तो बाँते गये उनके लिये आगके कपडे.

يُصَبُّ مِنْ فَوْق رُءُوسِهِمُ الْحَمِيمُ ۝۱۹ يُصْهَرُ بِهِ مَا فِي

बडाया जायेगा उनकी भोपडियों परसे भौलता पानी (१९) कि गल जायेगा जिससे जो कुछ

بُطُونِهِمْ وَالْجُلُودُ ۚ وَلَهُمْ مَقَامِعٌ مِّن حديدٍ ۝۲० كَلِمًا

उनके पेटमें है और भाव (२०) और उनके लिये लोहेके गुर्ज हैं (२१) जब उनको

أَرَادُوا أَنْ يَخْرُجُوا مِنْهَا مِنْ غَمٍّ أُعِيدُوا فِيهَا وَذُوقُوا

ने याडाकि निकल लागे उससे, गमकी वजहसे, तो वापस कर दिये गये उसमें, कि यभो आग

عَذَابِ الْحَرِيقِ ۚ إِنَّ اللَّهَ يَدْخُلُ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

का अजाब (२२) बेशक अल्लाह, दाभिल इरमाअेगा उनहे जो ईमान लाअे और

الطَّيِّبَاتِ جَدَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ يُجَلِّونَ فِيهَا

लाईक काम किये, भागोंमें, जिनके नीचे बहती हैं नहरें, पढनाअे जाअेंगे उसमें

مِنْ أَسَاوِرَ مِنْ ذَهَبٍ وَلُؤْلُؤًا وَلِبَاسُهُمْ فِيهَا حَرِيرٌ ۚ وَ

सोनेके कंगन और मोती, और लिबास उनका हे उसमें रेशम (२३) और

هُدًى وَالْإِلَى الطَّيِّبِ مِنَ الْقَوْلِ ۚ وَهُدًى إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۚ

वोड सलाअे गअे पाकीजा भातकी तरफ, और राड दी गई मुस्तलिके डमकी (२४)

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَيَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَالْمَسْجِدِ

बेशक जिनहोंने कुफ़ किया, और रोकते हैं अल्लाहकी राडसे, और मस्जिद हारामसे,

الْحَرَامِ الَّذِي جَعَلْنَاهُ لِلنَّاسِ سَوَاءً الْعَاكِفُ فِيهِ وَال

जिसको बनाया हमने हर ईन्सानके लिये, ज्वाड उसमें सुकूनत रभनेवाला हे या बाडर

الْبَادِ وَمَنْ يُرِدْ فِيهِ بِالْحَادِ يَظْلَمِ ظُفْرًا مِنْ عَذَابِ اللَّهِ ۚ

का हे. और जो भी याडेगा उसमें किसी ज़्यादातीको नाडक, तो यभाअेंगे हम उसे दुभ देनेवाला अजाब (२५)

وَإِذْ يَوَاقُنَا لِابْرَاهِيمَ مَكَانَ الْبَيْتِ أَنْ لَا تُشْرِكَ بِي شَيْئًا وَ

और जब कि ठिकाना बताया हमने ईब्राहीमको बैतुल्लाहकी जगडका, कि मत शरीक बनाना मेरा कुछ, और

طَهَّرَ بَيْتِي لِلطَّائِفِينَ وَالْقَائِمِينَ وَالرُّكَّعِ السُّجُودِ ۚ وَ

पाक रभो मेरा घर तवाइ करनेवालों और कयाम करनेवालों और रुकूअवालों और सजडेवालोंके लिये (२६) और

أَذِّنْ فِي النَّاسِ بِالْحَجِّ يَأْتُوكَ رِجَالًا وَعَلَى كُلِّ ضَامِرٍ

अेवाने आम करदो ईन्सानोंमें डजका, तो आअेंगे तुम्हारे पास पा पियाटा और दौडवाली दुबली गीटनियों

يَأْتِينَ مِنْ كُلِّ فَجٍّ عَمِيقٍ ۚ لِيَشْهَدُوا مَنَافِعَ لَهُمْ وَ

पर, जो आया करती हैं दूर दरज राडसे (२७) ताकि डाजिर डो जाअें अपने इईदोंके लिये, और

يَذْكُرُوا اسْمَ اللَّهِ فِي أَيَّامٍ مَّعْلُومَاتٍ عَلَىٰ مَا رَزَقْتَهُمْ مِن

अल्लाहका नाम लें जाने भूजे दिनोंमें, एन जानवरोंके जभीडा पर, जो हमने

بِهَيْمَةِ الْأَنْعَامِ فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطِعُوا الْبَائِسَ الْفَقِيرَ ۲۸

रोजी इरमाई, योपाअे, तो उसमेंसे भाओ और नादार मोहताजको भिलाओ (२८)

ثُمَّ لِيَقْضُوا تَفَثَهُمْ وَلِيُوفُوا نُدْوَهُمْ وَلِيَطَّوَفُوا بِالْبَيْتِ

इर दूर करो अपनी जिस्मानी कियडको, और पूरी करें अपनी मन्तें, और तवाइ करें एस कदीम घर

الْعَتِيقِ ۲۹ وَذَلِكَ وَمَنْ يُعْظِمِ حُرْمَتِ اللَّهِ فَهُوَ خَيْرٌ لَهُ

का (२८) यह है कानून. और जो ता'जीम करे अल्लाहकी बप्शी दुर्मतोंकी, तो यह बहोत बेहतर है उसके लिये

عِنْدَ رَبِّهِ ۖ وَأَحَلَّتْ لَكُمْ الْأَنْعَامَ إِلَّا مَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ

उसके रभके यहाँ. और हलाल कर दिये गये तुम्हारे लिये सारे योपाअे, मगर वोह जो अहिर कर दिये गये तुम पर,

فَاجْتَنِبُوا الرِّجْسَ مِنَ الْأَوْثَانِ وَاجْتَنِبُوا قَوْلَ الزُّورِ ۳۰

तो बयो बुतोंकी गन्धीसे, और बयो जूटके भोलनेसे (३०)

حُنْفَاءَ اللَّهِ غَيْرَ مُشْرِكِينَ بِهِ ۖ وَمَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَكَأَنَّمَا

यकसू हो कर अल्लाहके लिये, उसका शरीक न बनाते हूअे. और जो शरीक बनाअे अल्लाहका, तो गोया

خَرَمَ مِنَ السَّمَاءِ فَتَخَطَفُهُ الطَّيْرُ أَوْ تَهْوِي بِهِ الرِّيحُ فِي

शिर पडा आस्मानसे, कि उथक ले उसे परिन्ध, या उडा ले जाअे उसे हवा,

مَكَانٍ سَحِيقٍ ۳۱ وَذَلِكَ وَمَنْ يُعْظِمِ شَعَائِرَ اللَّهِ فَإِنَّهَا مِن

कहीं दूर जगह (३१) यही बात है. और जो ता'जीम करे अल्लाहकी याद दिलावेवाली चीजोंकी, तो यह

تَقْوَى الْقُلُوبِ ۳۲ لَكُمْ فِيهَا مَنَافِعٌ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى ثُمَّ

दिलमें भौके पुदा होनेसे है (३२) तुम्हें एन योपायोंमें इरठे हैं मुकरर भीआद तक, इर

فَحُلِّفَا إِلَىٰ الْبَيْتِ الْعَتِيقِ ۳۳ وَلِكُلِّ أُمَّةٍ جَعَلْنَا مَنَسَكًا

उनको पडोंया देना है उस कदीम घर तक (३३) और हर अक उम्मतके लिये हमने कर दिया है अक कुरबानी,

لِيَذْكُرُوا اسْمَ اللَّهِ عَلَىٰ مَا رَزَقْتَهُمْ مِن بَهِيمَةِ الْأَنْعَامِ ۖ

ताकि वोह अल्लाहका नाम लें जो रोजी इरमाई, बेजबान योपाअेके जभीडा पर.

قَالَ لَهُمُ اللَّهُ وَاحِدًا فَلَهُ اسْلَمُوا وَبَشِّرِ الْمُخْبِتِينَ ﴿۳۷﴾ الَّذِينَ

तो तुम्हारा मा'बूद है अल्लाह अकेला, तो उसके लिये तुम लोग गरदन डाल दो, और तुम भुशामबरी दो ऐसे बेनफ़सोंको (उ३४) वोड, कि जब

إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ وَجِلَّتْ قُلُوبُهُمْ وَالصَّابِرِينَ عَلَىٰ مَا أَصَابَهُمْ

याद किया गया अल्लाह, तो थरा उठे उनके दिल, और सध करनेवाले जो मुसीबत आये उन्हें,

وَالْمُقِيَّبِي الصَّلَاةِ وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُنْفِقُونَ ﴿۳۸﴾ وَالْبُدْنَ

और पाबन्दी करनेवाले नमाजके, और जो डमने रोजी दी उससे भर्च किया करते हैं (उ३५) और डीलडोलवाले

جَعَلْنَاهَا لَكُمْ مِّنْ شَعَائِرِ اللَّهِ لَكُمْ فِيهَا خَيْرٌ ﴿۳۹﴾ فَادْكُرُوا

जानवरोंको डमने बना दिया तुम्हारे लिये अल्लाहकी निशानियोंसे, तुम्हारी उनमें भलाई है. तो अल्लाहका

اسْمَ اللَّهِ عَلَيْهَا صَوَافٍ ۚ فَإِذَا وَجَبَتْ جُنُوبُهَا فَكُلُوا

नाम लो, उन पर वोड भडे डी रहें. फिर जब गिर जायें अपनी अपनी करवट, तो पाओ

مِنْهَا وَأَطِعُوا الْقَانِعَ وَالْمَعْتَرُ ۚ كَذَلِكَ سَخَّرْنَاهَا لَكُمْ

उसे, और भिलाओ बेसवाल मोडताजको और सवाली इकीरको. इसी तरड काभूमें कर दिया उन्हें तुम्हारे

لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۴۰﴾ لَنْ يَبَالَ اللَّهُ لِحَوْمِهَا وَلَا دِمَائِهَا

कि शुक्गुजार रडो (उ३६) नहीं पडोंयता अल्लाहको इन सभका गोशत, और न भून,

وَلَكِنْ يَبَالُهُ التَّقْوَىٰ مِنْكُمْ ۚ كَذَلِكَ سَخَّرَهَا لَكُمْ لِتُكَبِّرُوا

डों पडोंयता है उस तक तुम्हारा अल्लाहसे डरना. इसी तरड काभूमें दे दिया उन्हें तुम लोगोंके, कि तकभीर भोलो

اللَّهُ عَلَىٰ مَا هَدَاكُمْ وَبَشِّرِ الْمُحْسِنِينَ ﴿۴۱﴾ إِنَّ اللَّهَ يُدْفِعُ

सभ अल्लाहकी जो राड दी तुम्हें. और भुशामबरी दो तुम अेडसानवालोंको (उ३७) बेशक अल्लाह टाल देता है भलाको

عَنِ الَّذِينَ آمَنُوا ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ كُلَّ خَوَّانٍ كَفُورٍ ﴿۴۲﴾

उनसे, जो उसे मान गये. बेशक अल्लाह नहीं पसन्द इरमाता किसी दगाभाज ना शुक्केको (उ३८)

أُذِنَ لِلَّذِينَ يُقْتَلُونَ بِأَنَّهُمْ ظَلَمُوا ۚ وَإِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ نَصْرِهِمْ

ईजाजते जंग दे दी गई उन्हें, जिनसे जंगकी जा रडी है, कि वोड मज़्लूम हैं. बेशक अल्लाह उनकी मदद पर

لَقَدِيرٌ ﴿۴۳﴾ الَّذِينَ أُخْرِجُوا مِنْ دِيَارِهِمْ بِغَيْرِ حَقٍّ إِلَّا أَنْ

कुदरत रभता है (उ३९) जो निकावे गये अपने घरोंसे नाडक, मगर यह कि कड

يَقُولُوا رَبُّنَا اللَّهُ وَلَوْلَا دَفَعُ اللَّهُ النَّاسَ بَعْضَهُمْ

करते कि हमारा पालनेवाला अल्लाह है. और अगर न होता उटाते रहना अल्लाहका लोगोंको, भा'जोंको

بِبَعْضٍ لَهْدَمَتْ صَوَامِعُ وَبِيَعٌ وَصَلَوَاتٌ وَمَسَاجِدُ

भा'जसे, तो ज़रूर ढा दी जाती भानकाहें, और धसाध्योंके गिरजे, और यलूदियोंके धबादतभाने, और

يُذَكِّرُ فِيهَا اسْمَ اللَّهِ كَثِيرًا ۖ وَلَيَنْصُرَنَّ اللَّهُ مَنْ يَنْصُرُهُ ۗ

मुसल्मानोंकी मस्जिदें, जिनमें याद किया जाता है अल्लाहका नाम बडोत. और ज़रूर मदद इरमायेगा अल्लाह उसकी, जो उसके दीनकी

إِنَّ اللَّهَ لَقَوِيٌّ عَزِيزٌ ۝ الَّذِينَ إِنْ مَكَّنَّهُمْ فِي الْأَرْضِ

मदद करे, बेशक अल्लाह ज़रूर कुव्वतवाला गल्बेवाला है (४०) वोड लोग कि जहां डमने मजभूत किया उन्हे उस मुल्कमें,

أَقَامُوا الصَّلَاةَ وَآتَوُا الزَّكَاةَ وَآمَرُوا بِالْمَعْرُوفِ وَنَهَوْا

तो उन्होंने भरपा कर डी दिया नमाजको, और देते डी रहे जकात, और हुकुम दिया किये नेकीका, और रोका डी

عَنِ الْمُنْكَرِ وَبِاللَّهِ عَاقِبَةُ الْأُمُورِ ۝ وَإِنْ يُكَذِّبُوكَ فَقَدْ

किये बुराईसे. और अल्लाहके लिये सब कामोंका अन्जाम है (४१) और अगर जूटे जूटवाते हैं तुम्हें, तो जूटवा

كَذَّبَتْ قَبْلَهُمْ قَوْمُ نُوحٍ وَعَادٌ وَثَمُودٌ ۝ وَقَوْمٌ مِنْ آلِ إِبْرَاهِيمَ

युके हैं उनसे पहले नूडकी कौम, और आद व धमूद (४२) व कौमे धब्राडीम

وَقَوْمٌ لُوطٍ ۝ وَأَصْحَابُ مَدْيَنَ ۚ وَكَذَّبَ مُوسَى فَأَمْلَيْتُ

व कौमे लूत (४३) और मदयनवाले. और जूटवाये गये मूसा, तो मैंने मोडलत

لِلْكَافِرِينَ ثُمَّ أَخَذْتُهُمْ فَكَيْفَ كَانَ نَكِيرِ ۝ فَكَايِنٌ مِّنْ

डी काकिरीको, फिर उन्हे पकडा. तो कैसा मेरा अजाब था (४४) और कितनी बस्तियां हैं

قَرِيَّةٍ أَهَّلَكُنَّهَا وَهِيَ ظَالِمَةٌ فَهِيَ خَاوِيَةٌ عَلَى عُرُوشِهَا

जिन्हे डमने वीरान कर दिया कि वोड अधेरनगरी थी, तो वोड अपनी छतों पर गिरी पडी हैं,

وَبِئْرٍ مُّعَطَّلَةٍ وَقَصْرٍ مَّشِيدٍ ۝ أَفَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ

और कुंअे कितने बेकार हैं, और कितने मजभूत मडल (४५) तो क्या मुल्कमें नहीं धूमे,

فَتَكُونُ لَهُمْ قُلُوبٌ يَعْقِلُونَ بِهَا أَوْ آذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَا ۗ

कि उनके दिल डो जार्ने जिससे समजें, या कान डो जार्ने जिससे सुन सकें.

فَإِنهَآ لَا تَعْنَى الْإِبْصَارُ وَلَكِنْ تَعْنَى الْقُلُوبِ الَّتِي فِي

کھڑکی آंખें नही अन्धी होती, लेकिन हां सीनोंमें हिल अन्धे हो जाते हैं

الصُّدُورِ ۳۶) وَيَسْتَعْجِلُونَكَ بِالْعَذَابِ وَلَنْ يُخْلِفَ اللَّهُ

(४६) और जल्दबाजी मया रहे हैं तुमसे अजाबकी, और अल्लाह तआला अपने वादेके भिलाफ़ हरगिज

وَعَدَاةٌ وَإِنَّ يَوْمًا عِنْدَ رَبِّكَ كَأَلْفِ سَنَةٍ مِّمَّا تَعُدُّونَ ۳۷)

न करेगा, और भिलाशुभल अेक दिन तुमहारे परवरदिगारके यहां, जैसे हजार साल है, जिस काईदेसे तुम शुमार किया करते हो (४७)

وَكَأَيِّنْ مِنْ قَرْيَةٍ أَمَلَيْتُ لَهَا وَهِيَ ظَالِمَةٌ ثُمَّ أَخَذْنَاهَا

और कितनी आबादियां हैं जिनको मैंने ढील दी, और वोह अंधेरनगरी थीं, फिर धरपकडकी उनकी.

وَالِى الْمَصِيرِ ۳۸) قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّمَا أَنَا كَوْمٌ نَذِيرٌ

और मेरे ही तरफ़ फिरना है (४८) केड हो कि अे लोगो ! मैं तुम्हें फुला फुला डरानेवाला

مُبِينٌ ۳۹) قَالِذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ

ही हूँ (४९) तो जो मान गये, और बियाकतवाले काम किये, उनके बिये बफ़िशिश है

وَرِزْقٌ كَرِيمٌ ۴۰) وَالذِّينَ سَعَوْا فِى آيَاتِنَا مُعْجِزِينَ أُولَئِكَ

और धञ्जतकी रोजी (५०) और जिन्होंने दौड बगार्ल हमारी आयतोंमें, कि हरा हें, वोह हें

أَصْحَابُ الْجَحِيمِ ۴۱) وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ مِنْ رَسُولٍ

जडनमवाले (५१) और नहीं भेजा हमने तुमसे पहले कोई रसूल,

وَلَا نَبِيٍّ إِلَّا إِذَا تَمَسَّى الْفَى الشَّيْطَانُ فِى أَمْنِيَّتِهِ فَيَنْسَخُ

न नबी, मगर यह कि जब पढा, तो शैतानने अपनी तरफ़से अपनोंके बिये बढा दिया, उनके पढने

اللَّهُ مَا يَلْقَى الشَّيْطَانُ ثُمَّ يَحْكُمُ اللَّهُ آيَاتِهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ

में, तो भेट देता है अल्लाह जो शैतानका ँल्का है, फिर मजभूत इरमा देता है अल्लाह अपनी आयतोंको. और अल्लाह ँल्मवाला

حَكِيمٌ ۴۲) لِيَجْعَلَ مَا يَلْقَى الشَّيْطَانُ فِتْنَةً لِلذِّينِ فِى

डिकमतवाला है (५२) ताकि कर दे ँल्का अे शैतानीको आजमाईश, उनके बिये जिनके

قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ وَالْقَاسِيَةَ قُلُوبُهُمْ وَإِنَّ الظَّالِمِينَ

दिलोंमें भीमारी है, और जिनके हिल सफ्त हें. और बोशक अंधेरवाले

لَفِي شِقَاقٍ بَعِيدٍ ۝۵۳ وَ لِيَعْلَمَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ أَنَّهُ الْحَقُّ

پہلے سیرکے لگاواؤں ہیں (۵۳) اور تاکہ جان لیں وہ لوگ، جنہیں علم دیا گیا ہے، کہ بے شک وہ سچا ہے

مَنْ رَبِّكَ فَيَوْمِنُوا بِهِ فَتُخْبِتَ لَهُ قُلُوبُهُمْ وَإِنَّ اللَّهَ

ہے کہ تو تمہارے رب کی طرف سے تو، اسکو جان جائے، کہ گھبراہٹ ہو جائے اسکو اُنکے دل۔ اور بے شک اے اللہ

لِهَادِ الَّذِينَ آمَنُوا إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝۵۴ وَلَا يَزَالُ

اگر رہا رہنے والا ہے اُنہیں جو جان چکے ہیں، سیدھی راہ کی طرف (۵۴) اور ہمیشہ

الَّذِينَ كَفَرُوا فِي مَرِيَّةٍ مِنْهُ حَتَّى تَأْتِيَهُمُ السَّاعَةُ

وہ جو کافر رہے، شک میں رہیں گے اسکی طرف سے، یہاں تک کہ آجائے اُن پر کھات

بَغْتَةً أَوْ يَأْتِيَهُمْ عَذَابٌ يَوْمَ عَقِيْبٍ ۝۵۵ أَلَمْ يَكُنْ لَكَ يَوْمَئِذٍ

بے خبری یا آجائے اُن پر عذاب اس دن کی جسکا اچھا دن نہیں (۵۵) یاد تھا اُس دن سچے اے اللہ

يَحْكُمُ بَيْنَهُمْ فَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فِي

جو کہیں گا فرمائے گا اُنکا۔ تو جس نے جاننا اور لیاہٹکے کام کیے

جَلَّتِ النَّعِيْبُ ۝۵۶ وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا فَأُولَئِكَ

اے اللہ سے دور ہیں (۵۶) اور جس نے انکار کیا اور لڑکھائی کی، تو اُنہیں لے لیں

لَهُمْ عَذَابٌ مُهِينٌ ۝۵۷ وَالَّذِينَ هَاجَرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ

ہے انہیں اہل لے کرنے والا (۵۷) اور جنہوں نے ہجرت کی اے اللہ

تَمَّ قَتْلُكُمْ أَوْ مَاتُوا لِيُرْسُ قَتْلَهُمُ اللَّهُ رِزْقًا حَسَنًا ۝۵۸ وَإِنَّ

اگر شہید کر دیے گئے یا اُنکا لے لیا گیا، اگر اے اللہ اُنکی اچھی رزق دے گا۔ اور بے شک

اللَّهُ لَهُوَ خَيْرُ الرَّزَاقِينَ ۝۵۹ لِيَدْخُلْتَهُمْ مُدَّخَلًا يَرْضَوْنَهُ

اے اللہ اگر سب سے اچھی رزق دے گا (۵۹) تاکہ داخل فرمائے اُنہیں اسی جگہ جو وہ پسند کرتے ہیں۔

وَإِنَّ اللَّهَ لَعَلِيمٌ حَلِيمٌ ۝۶۰ ذَلِكُمْ وَمَنْ عَاقَبَ بِمِثْلِ

اور بے شک اے اللہ اگر اہل لے لے گا (۶۰) یہی بات ہے۔ اور جس نے بھلا لیا ہے

مَا عُوِّقَ بِهِ ثُمَّ بُغِيَ عَلَيْهِ لِيَنْصُرْتَهُ اللَّهُ إِنَّ اللَّهَ لَعَفُوٌّ

اسکو بھلا دیا گیا تھا، کہ اُس پر پھرتی گئی، تو اگر بھلا فرمائے گا اسکی اے اللہ۔ بے شک اے اللہ اگر

عَفْوَرٌ ﴿۴۰﴾ ذَٰلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ يُولِّجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَيُولِّجُ

मुआफ़ करनेवाला मज्दिरत इरमानेवाला है (६०) यह यूं कि बिलाशुभ अल्लाह, रातको दिनमें डाल देता है, और

النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ وَأَنَّ اللَّهَ سَبِيْعٌ بِصِيْرٍ ﴿۴۱﴾ ذَٰلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ

दिनको रातमें समो देता है, और बेशक अल्लाह सुननेवाला देखनेवाला है (६१) यह यूं कि अल्लाह

هُوَ الْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدَّعُونَ مِنْ دُونِهِ هُوَ الْبَاطِلُ وَ

ही उक है, और बिलाशुभ कुफ़ार जिसकी दुहाई देते हैं अल्लाहके मुकाबिल, भातिल ही है, और

أَنَّ اللَّهَ هُوَ الْعَلِيُّ الْكَبِيْرُ ﴿۴۲﴾ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ أَنْزَلَ مِنَ

बिलाशुभ अल्लाहकी बुलन्दीवाला बडाई वाला है (६२) क्या तुम नहीं देखते रहते, कि अल्लाहने बरसाया

السَّمَاءِ مَاءً فَتُصْبِحُ الْأَرْضُ مُخْضَرَّةً ۗ إِنَّ اللَّهَ لَطِيْفٌ

आस्मानकी तरफ़से पानी, तो सुब्दको डो गई सारी जमीन सब्जाजार. बेशक अल्लाह लुफ़्वाला

خَبِيْرٌ ﴿۴۳﴾ لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ وَاتَّ اللَّهُ

बबरदार है (६३) उसीका है जो कुछ आस्मानों, और जो कुछ जमीनमें है. और बेशक अल्लाह

لَهُوَ الْعَزِيْزُ الْحَمِيْدُ ﴿۴۴﴾ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ سَخَّرَ لَكُمْ فِي

जउर ही बेनियाज लाईके उम्ह है (६४) क्या तुम नहीं देभा करते कि अल्लाहने काभूम कर दिया तुम लोगोके जो कुछ

الْأَرْضِ وَالْفُلْكَ تَجْرِي فِي الْبَحْرِ بِأَمْرِهِ ۗ وَيُسِّرُ

जमीनमें है, और कशियां खलती है दरियामें उसके लुकमसे. और रोके है

السَّمَاءَ أَنْ تَقَعَ عَلَى الْأَرْضِ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ بِالنَّاسِ

आस्मानको गिर पडनेसे जमीन पर मगर उसके लुकमसे. बेशक अल्लाह लोगो पर

لَرءَوْفٌ رَّحِيْمٌ ﴿۴۵﴾ وَهُوَ الَّذِي أَحْيَاكُمْ ثُمَّ يُمِيْتُكُمْ

जउर करमवाला रहमवाला है (६५) वोही है जिसने तुमको जिलाया. फिर मारेगा तुम्हें, फिर

ثُمَّ يُحْيِيكُمْ ۗ إِنَّ الْإِنْسَانَ لَكَفُوْرٌ ﴿۴۶﴾ لِكُلِّ أُمَّةٍ جَعَلْنَا

जिलायेगा तुम्हें. बेशक ईन्सान जउर नाशुका है (६६) हर उम्मतके लिये बना दिया था उमने उनका

مَسْكًَا هُمْ تَأْسِكُوْهُ فَلَا يُنَارِعُكَ فِي الْأَمْرِ وَادْعًا إِلَىٰ

तरीकअे ईभादत, कि उस पर खला करे, तो जगडा न करने पाअें ईस अम्में, और बुलाते रहो अपने

رَبِّكَ ۖ إِنَّكَ لَعَلَىٰ هُدًى مُّسْتَقِيمٍ ﴿۴۶﴾ وَإِنْ جَدَلُوكَ فَقُلْ

ربकी तरफ़. बेशक तुम जरूर सीधी राह पर हो (४७) और अगर काफ़िरोंने जगडा निकावा, तो केह दो

اللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿۴۷﴾ اللَّهُ يَخُكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ

कि अल्लाह पुब जानता है तुम्हारे करतूतको (४८) अल्लाह कैसवा करमाओगा तुम्हारा क्यामतके दिन,

فِيمَا كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ﴿۴۸﴾ أَلَمْ تَعْلَمْ أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ

जिस बारेमें तुम जगडते थे (४९) क्या तुम नहीं जानते कि अल्लाह जरूर जानता है जो कुछ

مَا فِي السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ ۗ إِنَّ ذَلِكَ فِي كِتَابٍ ۗ إِنَّ ذَلِكَ

आस्मानों व जमीनमें है. बिवाशुबल यह अंक नविशतेमें है. बेशक यह

عَلَى اللَّهِ يَسِيرٌ ﴿۴۹﴾ وَيَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ مَا لَمْ

अल्लाह पर आसान है (७०) और मिनदूनिल्लाहको पूजते हैं, जिनकी

يُنزِلُ بِهِ سُلْطَانًا وَمَا لَيْسَ لَهُمْ بِهِ عِلْمٌ وَمَا لِلظَّالِمِينَ

न अल्लाहने कोरि सनद लेख, और जिनका पुद ही उन्हें एल्म नहीं है. और अंधेरवालोंका

مِنْ تَصْيِيرٍ ﴿۵۰﴾ وَإِذَا تَتَلَّىٰ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا بَيِّنَاتٍ تَعْرِفُ فِي

कोरि मददगार नहीं (७१) और जब तिलावतकी जाती हैं उन पर हमारी रौशन आयतें, तो पहचान लोगे

وَجُوهَ الَّذِينَ كَفَرُوا وَالسُّكَّرَ يَكَادُونَ يَسْطُونَ بِالَّذِينَ

उनके चेहरोंमें, जिन्होंने एन्कार कर दिया है नागवारीको. कि अब धावा ही भोल हें उन पर जो उन पर

يَتْلُونَ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا ۗ قُلْ أَفَأَنْبِتُكُمْ بِشَرِّ مِمَّنْ ذُرِكُمْ

तिलावत कर रहे हैं हमारी आयतोंकी. तुम बता दो, कि “क्या मैं तुम्हें बता हूं तुम्हारे एंस हावसे भी बदतरको,”

النَّارِ ۗ وَعَدَاهَا اللَّهُ الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ وَبَشِّرِ الصَّابِرِينَ ﴿۵۱﴾

वोह है आग, जिसका वा'दा कर युका अल्लाह उन्हें जो काफ़िर हूओ, और कितना बुरा क़िरनेका मकाम है (७२)

يَأْتِيهَا النَّاسُ ضُرْبَ مَثَلٍ ۗ فَاستَبْعُوا لَهُ ۗ إِنَّ الَّذِينَ

औ लोगो ! अंक कडावत है उसे सुनो. बिवाशुबल जिनकी

تَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ لَنْ يَخْلُقُوا ذُبَابًا وَلَوْ اجْتَمَعُوا

हुडाई हते हो अल्लाहके मुकाबिल, न पैदा कर सकेंगे अंक मच्छी, गो उसके विये सब मिल जाओ.

لَهُ ۚ وَإِنْ يَسْأَلْهُمْ الدُّبَابُ شَيْئًا لَا يَسْتَنْقِذُوهُ مِنْهُ ۗ ط

और अगर छीन ले उनसे मछली कुछ, तो उसको उससे ले न सकें.

ضَعْفَ الظَّالِمِ وَالْمَطْلُوبِ ۗ مَا قَدَرُوا اللَّهَ حَقَّ

गझे गुजरे ताविम व मत्वूब दोनों (७३) न कर जानी मा'बूदकी जो जाननेका

قَدْرَهُ ۗ إِنَّ اللَّهَ لَقَوِيٌّ عَزِيزٌ ۗ ۞ اللَّهُ يَصْطَفِي مِنَ الْمَلَائِكَةِ

उक है. भेशक अल्लाह उरर कुवतवाला गल्बेवाला है (७४) अल्लाह युन लेता है इरिशतोसे

رُسُلًا ۚ وَمِنَ النَّاسِ ۗ إِنَّ اللَّهَ سَبِيْعٌ بَصِيْرٌ ۗ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ

रसूलोंको और ठ-सानोंसे. भेशक अल्लाह सुननेवाला देबनेवाला है (७५) जानता है जो कुछ

أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۗ وَإِلَى اللَّهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ ۗ ۞ يَا أَيُّهَا

उनके सामने और जो कुछ उनके पीछे है, और अल्लाह हीकी तरफ लौटाये जायेंगे सारे काम (७६) ये

الَّذِينَ آمَنُوا ارْكَعُوا وَاسْجُدُوا وَاعْبُدُوا رَبَّكُمْ وَافْعَلُوا

मुसल्मानो ! रुकूअ करो, और सजदा करो, और पूजे अपने रबको, और भवाँ किया

الْخَيْرَ لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ۗ ۞ وَجَاهِدُوا فِي اللَّهِ حَقَّ جِهَادِهِ ۗ

करो, कि कामयाबी पाओ (७७) और जाँबाजी करो अल्लाहकी राहमें जो जानकी बाजी लगानेका उक है.

هُوَ اجْتَبَاكُمْ وَمَا جَعَلَ عَلَيْكُمْ فِي الدِّينِ مِنْ حَرَجٍ ۗ مَلَأَ

उसने तुमको युना और नहीं रभी तुम पर दीनमें कोठ तंगी, तुम्हारे

أَبْيَكُمْ إِبْرَاهِيمَ ۗ هُوَ سَمُّكُمُ الْمُسْلِمِينَ ۗ مِنْ قَبْلُ وَفِي

मूरिष ईब्राहीमका दीन. उसने तुम्हारा नाम रभा मुसल्मान... पहलेसे, और उस

هَذَا لِيَكُونَ الرَّسُولُ شَهِيدًا عَلَيْكُمْ وَتَكُونُوا شُهَدَاءَ عَلَى

किताबमें भी, ताकि हो रसूल गवाह तुम्हारे, और तुम बनो गवाह

النَّاسِ ۗ فَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ وَاعْتَصِمُوا بِاللَّهِ

दूसरों पर. तो पाबन्दी करते रहो नमाजकी, और देते रहो जकातकी, और मजबूत पकडलो अल्लाहको.

هُوَ مَوْلَاكُمْ ۗ فَنِعْمَ الْمَوْلَىٰ وَنِعْمَ النَّصِيرُ ۗ ۞

वोही तुम्हारा मौला है. तो केसा अच्छा मौला है, और कितना अच्छा मददगार है. (७८)